

**Творческая разработка: Воспитателя МАДОУ-д/с № 10 станицы Старовеличковской.**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  |  |  |  |  |  | 2 |  |  |  |  | |  |  |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 |  |  | |  | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  | 5 |  |  |  |  |  |  | | 9 |  | 4 |  |  |  |  | 6 |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  |  |  |  |  |  |  | 3 |  | |  |  | 1 |  | 2 |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  | 5 |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  | 6 |  |  |  |  |  | |  |  | 4 |  |  |  |  |  |  | |  | 7 |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  | 8 |  |  |  |  | | 9 |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  |  | 1 |  |  | 2 |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 | | 6 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  | 10 |  |  |  | |  | 8 |  |  | 4 |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  | 5 |  |  |  |  |  |  |  | | 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  | 5 |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  | 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  | 2 |  | 8 |  | 3 |  |  | 4 |  |  |  | | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  | ~~9~~ |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **Лето**  По вертикали:  1 )Без конца и края Лужа  Не страшна ей злая стужа. В Луже ходят корабли, Далеко им до земли.(море)  2) Раньше всех из птиц встает,  Солнцу песенку поет,  Все живое поднимает,  Как ту птичку называют?(жаворонок)  3) Что за чудо-красота! Расписные ворота Показались на пути! В них ни въехать, Ни войти. (радуга)  4) Из деревьев ранним летом Вдруг снежинки запорхают, Но не радует нас это - Мы от этого чихаем.(тополь)  **Весна**  По вертикали:  1)Наконец река проснулась,  С боку на бок повернулась Затрещал, ломаясь, лёд –  Значит, скоро...(ледоход)  2)Снежок растаял и с полей Бежит проворливый …(ручей)  3)Без рук, без топорёнка  Построена избёнка. (гнездо)  4)Тает снежок,  Ожил лужок,  День прибывает.  Когда это бывает?(весна)  5)Всех перелетных птиц черней,  Чистит пашню от червей.(грач) | По горизонтали:  5) Высока и зелена Будет скошена она. Овцы, козы и коровы Есть всегда её готовы.  (трава)  6)Загремел на небе гром, Сотрясается весь дом Я зажмурила глаза. Что на улице?(гроза)  7)Что выше леса, Краше света, Без огня горит?(солнце)  8)Это вовсе не пчела, Нос - точёная игла, Писк его всех раздражает, Очень больно он кусает!(комар)  9)Много вишни и опят В середине лета. Я спрошу-ка у ребят: Что за месяц это?(июль)  6)Сад примерил белый  цвет,  Соловей поет сонет,  В зелень наш оделся край –  Нас теплом встречает(май)...  По горизонтали:  7)Из-под снега расцветает,  Раньше всех  Весну встречает. (подснежник)  8) Я таланта не таю:  Замечательно пою!  Слыша песню из ветвей,  Знайте, это ..(соловыей).  9) Новоселье у скворца  Он ликует без конца.  Чтоб у нас жил пересмешник,  Смастерили мы ..(скворечник). | **Осень**  По вертикали:  1)Вслед за августом приходит, С листопадом хороводит И богат он урожаем, Мы его, конечно, знаем!(сентябрь)  2)Осень добрая пришла, Нам подарки принесла: Яблоки душистые, Персики пушистые, Груши золотистые Осень принесла.(фрукты)  3)Сидел на дереве.  Слетел пропеллером.(лист)  4)Малыши на веточках -  **Зима**  По вертикали:  1)Чернокрылый, красногрудый  И зимой найдет приют: Не боится он простуды - С первым снегом Тут как тут!(снигирь)  2)Без рук рисует, Без зубов кусается.(мороз)  3)Всё лето стояли, Зимы ожидали. Дождались поры — Помчались с горы.(санки)  4)Под ногами все куда-то  Ускользает и плывет.  И смешно,и страшновато:  На дороге …(гололёд)  5)Какой месяц год замыкает, а зиму начинает?(декабрь) | В костяных жилеточках,  Растут, созревают,  Их осенью срывают!(орехи)  По горизонтали:  5)Ветер листьями играет, их с деревьев обрывает. Всюду листики кружат -это значит …(листопад)  6)Из—под крыши крыша Под дождик вышла.  (зонт)  7)Шапочка да ножка – Вот и весь Ерошка.(гриб)  8)Вкусно, зеленое, красное, желтое, растет на дереве(яблоко)  9)Без крыл летит, без ног бежит.(ветер)  6)Бел, да не сахар, Нет ног, а идёт.(снег)  По горизонтали:  7)Есть внучка у деда, у Деда Мороза, Не Таня, не Лена и даже не Роза, Не Аля и не Шурочка… Ее зовут…(снегурочка)  8)У метели есть подруга, Звать подружку эту ...(вьюга)  9)Если зимнею порою  Тучи небо всё закроют, И снежинки полетят – Значит, будет (Снегопад)…  10)Деревянные гонцы, Словно братья-близнецы! На лыжне вдвоём всегда, Друг без друга никуда!(лыжи) |